

(राजस्थान के माध्यम से)  
 सहायक कलक्टर  
 बाण (जोधपुर)

२५

पञ्जाबी का अवलोकन किया गया। वृत्त पर मनन किया गया।  
 बाद मनन एवं अवलोकन पाया गया कि वृत्त प्रकरण में प्रथम दृष्टया  
 मानना सिद्धा का सन्तान, अपूर्ण्य क्षति के बिन्दु प्राथम्यता के पक्ष में  
 बनना नहीं पाये जाते हैं। प्राथम्यता का प्रार्थना पत्र सादर होने से  
 खालि किया जाता है। पञ्जाबी फसल वृत्त वृत्त नंबर से कम है।  
 दाखिल दफ्तर है।

पञ्जाबी आज राजस्थान लोक अदालत न्याय आर्षक द्वारा-2017 के म  
 नरे की मूर्त में धरा हुई। वृत्तलाय पक्षकारण उप। अप्राथम्यता वृत्तलायदार  
 बाण का जवाब धरा हुआ जो शामिल मिसल किया गया। प्रार्थना पत्र पर  
 वृत्त सूची गई। वृत्तलाय प्राथम्यता न वृत्त के दौरान प्रार्थना पत्र में वर्णित  
 तथ्यों की दृष्टि से वृत्त कथन किया कि वादग्रस्त मूर्त खसरा नंबर 124  
 रकबा 200 बीघा मूर्त माला पटवार हल्का नरे की मूर्त की मूर्त  
 कब्जा कारन की मूर्त है। जिसमें वृत्त सेटलमेंट से प्राथम्यता का कब्जा  
 कारन माला आ रहा है। वृत्त मूर्त पर रहवासी जमी, टाका भी बना हुआ  
 है। अतः प्राथम्यता की मूर्त से वृत्तल नहीं किये जाने हेतु अप्राथम्यता के  
 विकट तादादा फसला निषेधा आयाई जारी करमाई जावे। वृत्त का  
 जवाब देते हुए वृत्तलायदार बाण ने कथन किया कि वादग्रस्त मूर्त पर  
 प्राथम्यता अतिक्रमी रहे है। तथा समय-समय पर वृत्त मूर्त से प्राथम्यता  
 का वृत्तल किया जा रहा है। प्राथम्यता का कभी भी निरन्तर कब्जा  
 कारन वादग्रस्त मूर्त पर नहीं रहा है। प्राथम्यता सरकारी मूर्त की अवृत्त  
 रूप से वृत्तलना चाहते है। प्राथम्यता का प्रार्थना पत्र सादर होने से  
 खालि करमाया जावे।

वृत्त या कार्याधी मय इनिशियलस जल

नंबर व तारीख  
 अंककाम जो वृत्त  
 वृत्त की तारीख  
 में जारी हुए

न  
 अ  
 वृ

5  
 3  
 4  
 5  
 6